भारत कोकिंग कोल लिमिटेड
'एक मिनी रत्न कंपनी'
(कोल इण्डिया लिमिटेड का एक अंग)
जन सर्म्पक विभाग
कोयला भवन, कोयला नगर
धनबाद – 826005 (झारखण्ड)
दूरभाष/फैक्स : 0326–2230202
वेबसाईट: www.bccl.gov.in
ईमेल: bcclprodhanbad@gmail.com
सीआईएन : U10101JH1972GOI000918

BHARAT COKING COAL LIMITED
'A Mini Ratna Company'
(A Subsidiary of Coal India Limited)
Public Relation Department
Koyla Bhawan, Koyla Nagar
Dhanbad- 826005 (Jharkhand).
Phone/Fax: 0326-2230202
website: www.bccl.gov.in
email: bcclprodhanbad@gmail.com
CIN : U10101JH1972GOI000918

दिनांक –01.03.2015

प्रेस विज्ञप्ति

केन्द्रीय चिकित्सालय में विशाल निःशुल्क नेत्र शिविर का समापन समारोह

अध्यक्ष–सह'–प्रबन्ध निदेशक श्री टी के लाहिड़ी एवं निदेशक(कार्मिक) श्री बी. के. पण्डा के मार्ग निर्देशन में बी सी सी एल के सी एस आर के अन्तर्गत धनबाद के आस–पास के असहाय लोगों के लिए **ज्योति अभियान** के तहत केन्द्रीय चिकित्सालय धनबाद में विशाल निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन 2014–15 के लिए किया गया । शिविर का समापन आज दिनांक 01.03.2015 को बीसीसीएल के निदेशक(कार्मिक) श्री बी. के. पण्डा मुख्य अतिथ्य में सम्पन्न हुआ ।

ज्योति अभियान के समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि बीसीसीएल के निदेशक(कार्मिक) श्री बी. के. पण्डा ने केन्द्रीय अस्पताल में ऑख का ऑपरेशन कराये मरीजों को ऑख की पट्टी खोलकर उन्हें चश्मा एवं मेडीसीन उपलब्ध कराया एवं उनका कुशल क्षेम पूछा । उन्होंने कहा कि बीसीसीएल के आस–पास के लोग जो निर्धन एवं आर्थिक स्थिति से कमजोर हैं उनलोगों के लिए कंपनी सामाजिक निगमित दायित्व के तहत सहयोग करना चाहती है । इसी प्ररिपेक्ष्य में ज्योति अभियान चलाया गया है । उन्होंने कहा कि यहां के चिकित्सक दक्ष हैं तथा इनका कार्य सराहनीय है । जो पेसेन्ट केन्द्रीय अस्पताल पर भरोसा कर ऑपरेशन कराये हैं उनको आज से पहले की अपेक्षा अब से अच्छी तरह से दिखाई देने लगेगा । अब वे पूरी दुनियां को अपने आंखों से देख सकेंगे । इस कार्यक्रम का ज्यादा से ज्यादा प्रचार–प्रसार हो ताकि ऑपरेशन कराने वाले पेसेंट का ग्राफ बढ़े । यह कार्य को डेली रूटीन से हट कर कार्य करना चाहिए । उन्होंने सुझाव दिया कि मनुष्य को नेत्रदान करना चाहिए इससे अच्छा और कोई कार्य नहीं होता है । उन्होंने कहा कि अच्छे कार्यो के लिए कंपनी की ओर से पैसे की कमी नहीं आएगी । ऑपरेशन कराये मरीजों को सलाह दिया कि अपने आस–पास के लोगों को यहां के सुविधाओं के बारे में बतायें ताकि वे अपना आंख का ऑपरेशन केन्द्रीय अस्पताल में ही करायें । चिकित्सक को सलाह दिया कि वे सहयोग करने की भावना रखें । यहां के चिकित्सक एवं कर्मी अच्छे हैं तो कार्य भी अच्छा ही होना चाहिए। उन्होंने यह भी सलाह दिया कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी खुशनुमा एवं स्वस्थ्य वातावरण में रहें ।

ऑख का ऑपरेशन कराये मरीज ने केन्द्रीय अस्पताल की व्यवस्था एवं बीसीसीएल कंपनी का आभार व्यक्त किया । उन्होंने कहा कि बीसीसीएल के सहयोग से हम अपनी ऑखों से अब अच्छी तरह से देख सकेंगे ।

नेत्र शिविर का आयोजन केन्द्रीय चिकित्सालय के अलावे लोयाबाद क्षेत्रीय अस्पताल, जियलगोरा क्षेत्रीय अस्पताल, बाघमारा क्षेत्रीय अस्पताल, कतरास क्षेत्रीय अस्पताल एवं कुस्तौर क्षेत्रीय अस्पतालों में आयोजित किया गया था ।

उक्त सभी अस्पतालों में कुल 9 शिविरों में अत्याधुनिक विधि द्वारा 537 लोगों का सफल लेंस प्रत्यारोपण किया गया। ऑपरेशन के पश्चात् निःशुल्क दवायें एवं काला चश्मा उपलब्ध करायी गई तथा उन्हें भर्ती के दौरान भोजन भी निःशुल्क प्रदान किया गया ।

केन्द्रीय अस्पताल धनबाद में नेत्र शिविर का आयोजन मुख्य चिकित्सा सेवायें डॉ0 आई. सी जायसवाल के नेतृत्व में किया गया तथा उनके साथ डॉ0 एस. के. सिन्हा, डॉ0 ए. के. गुप्ता एवं डॉ0 बंदना, डॉ0 विपुल कुमार, डॉ0 अशीमा तिग्गा, डॉ0 आर. डी. मिश्रा, लोयाबाद अस्पताल एवं डॉ0 रविशंकर, बाघमारा अस्पताल ने विशेष रूप से सहयोग किया ।

ज्ञात हो कि केन्द्रीय अस्पताल द्वारा चलाये गये ज्योति अभियान में गैर बीसीसीएल कर्मी का ही ऑपरेशन किया गया तथा 10 ऐसे मरीज थें जिनका उम्र 85 वर्ष से अधिक है । 60 प्रतिशत वैसे मरीज थे जिन्होंने पिछले वर्ष एक आंख का सफल ऑपरेशन के प्श्चात् दूसरे आंख का भी ऑपरेशन कराया ।

इस अवसर पर ज्योति अभियान में भाग लेने वाले चिकित्सकों, सिस्टर एवं स्टाफ को सफलतापूर्वक कार्य करने के उपलक्ष में मुख्य अतिथि श्री बी. के. पण्डा द्वारा प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया ।

कार्यक्रम के पूर्व में केन्द्रीय अस्पताल के नर्सिंग स्कूल के छात्राओं द्वारा मुख्य अतिथि के स्वागातार्थ स्वागत गीत गाकर किया ।

मुख्य अतिथि का स्वागत डॉ0 आई. सी. जायसवाल ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन मुख्य चिकित्सा सेवा प्रभारी केन्द्रीय अस्पताल डॉ0 जी. एस. पाण्डेय ने किया ।

उप महाप्रबन्धक(जन सम्पर्क)